(e) The recommendations of the Committee are being examined by the Government and the Reserve Bank of India and a decision on the acceptance/implementation of the recommendations will be taken as soon as the process of examination of the Report is complete.

Complaints by Patna office of RBI against Helios group and JVG finance group

688. PROF. RAM KAPSE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Patna Office of the RBI has made certain complaints against the Helios group and JVG finance group, Mumbai;

(b) if so, the details of the complaints and action taken by the H.O. of RBI;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) details of other financing groups similarly placed and details of complaints in respect thereof received by RBI H.O., Mumbai?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) to (c) Reserve Bank of India (RBI) have reported that their Patna Office has not made any complaint against the Helios Group or JVG Finance Company. However, during the course of inspection of the said Group of Companies by RBI's Calcutta and Delhi Office respectively certain irregularities have come to light. After issuing the show cause notices, the explanation of the companies were called for. In the case of Helios Group, orders were issued prohibiting the acceptance of further deposits as also alienating of its assets without prior approval of Reserve Bank of India, since the inspection had revealed adverse financial position, indicating that the company may not be able to meet its deposit liabilities in full.

As regards JVG Finance Ltd., RBI have stated that as the company has partly complied with certain requirements and further given certain assurances and sought a brief time for rectifying the irregularities, the future course of action has been kept in abeyance. In the meantime, the company was advised on July 3, 1997 that the fixed deposit portfolio should be put on liquidation basis till the level of existing deposits come down to the eligible level. Further the auditors of the company should certify that the company has not accepted any fresh deposits, on a monthly basis. At the same time the company should not default in the repayment of deposits of maturity.

(d) On the basis of findings of inspection, certain other companies have also been prohibited from acceptance of deposits such as Asia pacific Investment Trust Ltd., Global Finance Corporation Ltd. Further the following companies coming under the jurisdiction of Patna Office of RBI are also issued prohibitory orders.

1. The Social Welfare Savings & Finance Ltd.
2. Barl India Finance & Investment Ltd.
3. Prolate Company Ltd.
4. Manav Sandhan Vikash Finance & Investment Ltd.
5. Prestigious Finance & Investment Ltd.

Such prohibitions are also given due publicity in the press to caution the general public.

राष्ट्रीयकृत बैंकों में धोखाधड़ी के मामले

689. **प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों में धोखाधड़ी के बैंक-वार कितने मामले प्रकाश में आए;

(ख) इन मामलों में कितने बैंक कर्मी दोषी पाए गए;

(ग) कितने व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमें चलाए गए; और

(घ) कितने व्यक्तियों को कितनी-कितनी सजा हुई?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) पिछले तीन वर्षों अर्थात 1994, 1995 और 1996 के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों में पाई गई धोखा-धड़ियों की बैंकवार स्थिति से संबंधित सूचना संलग्न विवरण में दी गई है (नीचे देखिए)।

(ख) से (घ) सरकारी क्षेत्र के बैंकों के धोखाधड़ी में लिप्त अपराधी कर्मचारियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई से संबंधित यथा उपलब्ध सूचना नीचे दी गई है:

		1994	1995	1996
(क)	दोषसिद्ध कर्मचारियों की संख्या	50	33	46
(ख)	बड़े/छोटे दण्ड प्राप्त कर्मचारियों की संख्या	1248	1160	1207
(ग)	पदच्युत/सेवामुक्त/ निकाले गए कर्मचारियों की संख्या	360	301	331

विवरण

वर्ष 1994, 1995 और 1996 के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों में पता लगाई गई धोखाधड़ियों की बैंक-वार संख्या

क्र.सं.	बैंक का नाम	धोखाधड़ियों की संख्या		
		1994	1995	1996
1.	इलाहाबाद बैंक	39	48	59
2.	आंध्रा बैंक	25	41	37
3.	बैंक आफ बड़ौदा	159	114	101
		15*	10*	
4.	बैंक आफ इंडिया	215	156	158
		11*	04*	
5.	बैंक आफ महाराष्ट्र	50	31	34
6.	केनरा बैंक	217	167	213
7.	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	130	73	142
8.	कार्पोरेशन बैंक	38	23	23
9.	देना बैंक	22	14	27
10.	इंडियन बैंक	60	37	34
11.	इंडियन ओवरसीज बैंक	71	43	49
12.	ओरियंटल बैंक आफ कामर्स	14	12	30
13.	पंजाब नेशनल बैंक	118	56	66
14.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक	17	17	24
15.	सिंडिकेट बैंक	103	109	154
16.	युनियन बैंक आफ इंडिया	39	59	79
17.	युनाइटेड बैंक आफ इंडिया	43	40	33
18.	यूको बैंक	58	74	39
19.	विजया बैंक	32	39	28
	योग	1476	1167	1330

*भारत के बाहर

(आंकड़े अनन्तिम)

भारत में सोने की मांग और उत्पादन

690. **प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में सोने की अनुमानत: वार्षिक मांग कितनी है;

(ख) भारत में सोने का वार्षिक उत्पादन कितना होता है;

(ग) भारत में प्रतिवर्ष वैध और अवैध रूप से अनुमानत: कितना सोना आयात होता है; और

(घ) सरकार सोने की तस्करी रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) भारत में सोने की वार्षिक आवश्यकता के बारे में सरकारी तौर पर कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। तथापि एक गैर सरकारी प्रकाशक (गोल्ड फील्ड मिनरल सर्विसिस लि., लंदन) द्वारा "गोल्ड 1997" शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक में दिए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों में भारत में सोने की वार्षिक मांग के अनुमान इस प्रकार हैं:—

1994	:	369.8 टन
1995	:	426.1 टन
1996	:	454.8 टन

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान भारत में सोने के उत्पादन के वार्षिक आंकड़े नीचे दिये गये हैं:—

वर्ष	उत्पादन (कि.ग्रा. में)
1994-95	2369
1995-96	2036
1996-97	2904

(ग) वैध आयात और अवैध आयात के अनुमानों के ब्यौरे इस प्रकार हैं:-

वर्ष	वैध आयात (टनों में)	अनुमानित अवैध आयात (टनों में)
1994	205	115
1995	278	128
1996	324	109

(घ) क्षेत्रीय कार्यालय सोने की तस्करी सहित सभी प्रकार की तस्करी को रोकने और उसका पता लगाने के